

रविवार 14 अप्रैल, 2024

विषय — क्या पाप, बीमारी और मृत्यु वास्तविक हैं?

स्वर्ण पाठ: यशायाह 45: 22

"हे पृथ्वी के दूर दूर के देश के रहने वालो, तुम मेरी ओर फिरो और उद्धार पाओ! क्योंकि मैं ही ईश्वर हूं और दूसरा कोई नहीं है।"

उत्तरदायी अध्ययन: भजन संहिता 103: 1-5, 10, 11, 19

- ¹ हेमेरे मन, यहोवा को धन्य कह; और जो कुछ मुझ में है, वह उसके पवित्र नाम को धन्य कहे!
- ² हे मेरे मन, यहोवा को धन्य कह, और उसके किसी उपकार को न भूलना।
- ³ वही तो तेरे सब अधर्म को क्षमा करता, और तेरे सब रोगों को चंगा करता है,
- ⁴ वही तो तेरे प्राण को नाश होने से बचा लेता है, और तेरे सिर पर करुणा और दया का मुकुट बान्धता है,
- ⁵ वही तो तेरी लालसा को उत्तम पदार्थों से तृप्त करता है, जिस से तेरी जवानी उकाब की नाई नई हो जाती है॥
- ¹⁰ उसने हमारे पापों के अनुसार हम से व्यवहार नहीं किया, और न हमारे अधर्म के कामों के अनुसार हम को बदला दिया है।
- ¹¹ जैसे आकाश पृथ्वी के ऊपर ऊंचा है, वैसे ही उसकी करुणा उसके डरवैयों के ऊपर प्रबल है।
- ¹⁹ यहोवा ने तो अपना सिंहासन स्वर्ग में स्थिर किया है, और उसका राज्य पूरी सृष्टि पर है।

पाठ उपदेश

बाइबल

1. यिर्मयाह 17: 14

- ¹⁴ हे यहोवा मुझे चंगा कर, तब मैं चंगा हो जाऊंगा; मुझे बचा, तब मैं बच जाऊंगा; क्योंकि मैं तेरी ही स्तुति करता हूँ।

2. 2 राजा 5: 1-4, 9-15 (सं 2nd :)

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एंड्री ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

- 1 अराम के राजा का नामान नाम सेनापति अपने स्वामी की दृष्टि में बड़ा और प्रतिष्ठित पुरुष था, क्योंकि यहोवा ने उसके द्वारा अरामियों को विजयी किया था, और यह शूरवीर था, परन्तु कोढ़ी था।
- 2 अरामी लोग दल बान्ध कर इस्राएल के देश में जा कर वहां से एक छोटी लड़की बन्धुवाई में ले आए थे और वह नामान की पत्नी की सेवा करती थी।
- 3 उसने अपनी स्वामिन से कहा, जो मेरा स्वामी शोमरोन के भविष्यद्वक्ता के पास होता, तो क्या ही अच्छा होता! क्योंकि वह उसको कोढ़ से चंगा कर देता।
- 4 तो किसी ने उसके प्रभु के पास जा कर कह दिया, कि इस्राएली लड़की इस प्रकार कहती है।
- 9 तब नामान घोड़ों और रथों समेत एलीशा के द्वार पर आकर खड़ा हुआ।
- 10 तब एलीशा ने एक दूत से उसके पास यह कहला भेजा, कि तू जा कर यरदन में सात बार डुबकी मार, तब तेरा शरीर ज्यों का त्यों हो जाएगा, और तू शुद्ध होगा।
- 11 परन्तु नामान क्रोधित हो यह कहता हुआ चला गया, कि मैं ने तो सोचा था, कि अवश्य वह मेरे पास बाहर आएगा, और खड़ा हो कर अपने परमेश्वर यहोवा से प्रार्थना कर के कोढ़ के स्थान पर अपना हाथ फेर कर कोढ़ को दूर करेगा!
- 12 क्या दमिश्क की अबाना और पर्पर नदियां इस्राएल के सब जलाशयों से अत्तम नहीं हैं? क्या मैं उन में स्नान कर के शुद्ध नहीं हो सकता हूँ? इसलिये वह जलजलाहट से भरा हुआ लौट कर चला गया।
- 13 तब उसके सेवक पास आकर कहने लगे, हे हमारे पिता यदि भविष्यद्वक्ता तुझे कोई भारी काम करने की आज्ञा देता, तो क्या तू उसे न करता? फिर जब वह कहता है, कि स्नान कर के शुद्ध हो जा, तो कितना अधिक इसे मानना चाहिये।
- 14 तब उसने परमेश्वर के भक्त के वचन के अनुसार यरदन को जा कर उस में सात बार डुबकी मारी, और उसका शरीर छोटे लड़के का सा हो गया; और वह शुद्ध हो गया।
- 15 तब वह अपने सब दल बल समेत परमेश्वर के भक्त के यहां लौट आया, और उसके सम्मुख खड़ा हो कर कहने लगा सुन, अब मैं ने जान लिया है, कि समस्त पृथ्वी में इस्राएल को छोड़ और कहीं परमेश्वर नहीं है। इसलिये अब अपने दास की भेंट ग्रहण कर।

3. मत्ती 4: 17 (यीशु), 24

- 17 उस समय से यीशु प्रचार करना और यह कहना आरम्भ किया, कि मन फिराओ क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट आया है।
- 24 और सारे सूरिया में उसका यश फैल गया; और लोग सब बीमारों को, जो नाना प्रकार की बीमारियों और दुखों में जकड़े हुए थे, और जिन में दुष्टात्माएं थीं और मिर्गी वालों और झोले के मारे हुआओं को उसके पास लाए और उस ने उन्हें चंगा किया।

4. मत्ती 9: 1-8

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एंड्री ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

- 1 फिर वह नाव पर चढ़कर पार गया; और अपने नगर में आया।
- 2 और देखो, कई लोग एक झोले के मारे हुए को खाट पर रखकर उसके पास लाए; यीशु ने उन का विश्वास देखकर, उस झोले के मारे हुए से कहा; हे पुत्र, ढाढ़स बान्ध; तेरे पाप क्षमा हुए।
- 3 और देखो, कई शास्त्रियों ने सोचा, कि यह तो परमेश्वर की निन्दा करता है।
- 4 यीशु ने उन के मन की बातें मालूम करके कहा, कि तुम लोग अपने अपने मन में बुरा विचार क्यों कर रहे हो?
- 5 सहज क्या है, यह कहना, कि तेरे पाप क्षमा हुए; या यह कहना कि उठ और चल फिर।
- 6 परन्तु इसलिये कि तुम जान लो कि मनुष्य के पुत्र को पृथ्वी पर पाप क्षमा करने का अधिकार है (उस ने झोले के मारे हुए से कहा) उठ: अपनी खाट उठा, और अपने घर चला जा।
- 7 वह उठकर अपने घर चला गया।
- 8 लोग यह देखकर डर गए और परमेश्वर की महिमा करने लगे जिस ने मनुष्यों को ऐसा अधिकार दिया है॥

5. लूका 7: 11-16

- 11 थोड़े दिन के बाद वह नाईन नाम के एक नगर को गया, और उसके चेले, और बड़ी भीड़ उसके साथ जा रही थी।
- 12 जब वह नगर के फाटक के पास पहुंचा, तो देखो, लोग एक मुरदे को बाहर लिए जा रहे थे; जो अपनी मां का एकलौता पुत्र था, और वह विधवा थी: और नगर के बहुत से लोग उसके साथ थे।
- 13 उसे देख कर प्रभु को तरस आया, और उस से कहा; मत रो।
- 14 तब उस ने पास आकर, अर्थी को छुआ; और उठाने वाले ठहर गए, तब उस ने कहा; हे जवान, मैं तुझ से कहता हूं, उठ।
- 15 तब वह मुरदा उठ बैठा, और बोलने लगा: और उस ने उसे उस की मां को सौंप दिया।
- 16 इस से सब पर भय छा गया; और वे परमेश्वर की बड़ाई करके कहने लगे कि हमारे बीच में एक बड़ा भविष्यद्वक्ता उठा है, और परमेश्वर ने अपने लोगों पर कृपा दृष्टि की है।

6. प्रकाशित वाक्य 1: 1

- 1 यीशु मसीह का प्रकाशितवाक्य जो उसे परमेश्वर ने इसलिये दिया, कि अपने दासों को वे बातें, जिन का शीघ्र होना अवश्य है, दिखाए; और उस ने अपने स्वर्गदूत को भेज कर उसके द्वारा अपने दास यूहन्ना को बताया।

7. प्रकाशित वाक्य 21: 1-6

- ¹ फिर मैं ने नये आकाश और नयी पृथ्वी को देखा, क्योंकि पहिला आकाश और पहिली पृथ्वी जाती रही थी, और समुद्र भी न रहा।
- ² फिर मैं ने पवित्र नगर नये यरूशलेम को स्वर्ग पर से परमेश्वर के पास से उतरते देखा, और वह उस दुल्हिन के समान थी, जो अपने पति के लिये सिंगार किए हो।
- ³ फिर मैं ने सिंहासन में से किसी को ऊंचे शब्द से यह कहते सुना, कि देख, परमेश्वर का डेरा मनुष्यों के बीच में है; वह उन के साथ डेरा करेगा, और वे उसके लोग होंगे, और परमेश्वर आप उन के साथ रहेगा; और उन का परमेश्वर होगा।
- ⁴ और वह उन की आंखोंसे सब आंसू पोंछ डालेगा; और इस के बाद मृत्यु न रहेगी, और न शोक, न विलाप, न पीड़ा रहेगी; पहिली बातें जाती रहीं।
- ⁵ और जो सिंहासन पर बैठा था, उस ने कहा, कि देख, मैं सब कुछ नया कर देता हूं: फिर उस ने कहा, कि लिख ले, क्योंकि ये वचन विश्वास के योग्य और सत्य हैं।
- ⁶ फिर उस ने मुझ से कहा, ये बातें पूरी हो गई हैं, मैं अलफा और ओमिगा, आदि और अन्त हूं: मैं प्यासे को जीवन के जल के सोते में से सेंतमेंत पिलाऊंगा।

विज्ञान और स्वास्थ्य

1. 99: 23-29

सच्ची आध्यात्मिकता की शांत, मजबूत धाराएँ, जिनमें से अभिव्यक्तियाँ स्वास्थ्य, पवित्रता और आत्म-विनाश हैं, मानव अनुभव को गहरा करना चाहिए, जब तक कि भौतिक अस्तित्व की मान्यताओं को एक गंजेपन के रूप में नहीं देखा जाता है, और पाप, बीमारी, और मृत्यु ईश्वरीय आत्मा के वैज्ञानिक प्रदर्शन और परमेश्वर के आध्यात्मिक, सिद्ध इंसान को हमेशा के लिए जगह देते हैं।

2. 339: 25-28

सभी स्वास्थ्य, पापहीनता, और अमरता का आधार महान तथ्य यह है कि भगवान केवल मन है; और इस मन को केवल विश्वास नहीं होना चाहिए, लेकिन इसे समझना चाहिए।

3. 120: 15-24

स्वास्थ्य पदार्थ की नहीं, मन की स्थिति है; न ही स्वास्थ्य के विषय पर सामग्री इंद्रियां विश्वसनीय गवाही दे सकती हैं। दिमागी चिकित्सा विज्ञान यह दिखाता है कि यह असंभव है लेकिन मन को सही मायने में गवाही देना या मनुष्य की वास्तविक स्थिति का प्रदर्शन करना है। इसलिए विज्ञान के दिव्य सिद्धांत, भौतिक इंद्रियों की गवाही को

उलट कर, मनुष्य को सच्चाई में सामंजस्यपूर्ण रूप से अस्तित्व के रूप में प्रकट करता है, जो स्वास्थ्य का एकमात्र आधार है; और इस प्रकार विज्ञान सभी बीमारियों से इनकार करता है, बीमारों को चंगा करता है, झूठे सबूतों को उखाड़ फेंकता है और भौतिकवादी तर्क का खंडन करता है।

4. 301: 24-29

भ्रम, पाप, बीमारी और मृत्यु भौतिक अर्थों की झूठी गवाही से उत्पन्न होती है, जो कि अनंत आत्मा की केंद्रीय दूरी के बाहर एक निश्चित दृष्टिकोण से, मन और पदार्थ की एक उलटी छवि प्रस्तुत करता है और सब कुछ उल्टा हो जाता है।

5. 472: 24 (सब)-15

सारी वास्तविकता ईश्वर और उसकी रचना, सामंजस्य और शाश्वत में है। वह जो बनाता है वह अच्छा है, और जो कुछ भी बना है, उसके द्वारा बनाया गया है। इसलिये पाप, बीमारी, या मृत्यु का एकमात्र वास्तविकता यह भयानक तथ्य है कि अवास्तविकता मानव को वास्तविक लगती है, विश्वास को गलत करती है, जब तक कि भगवान उनके भेस को बंद नहीं करते। वे सत्य नहीं हैं, क्योंकि वे भगवान के नहीं हैं। हम क्रिश्चियन साइंस में सीखते हैं कि नश्वर मन या शरीर के सभी अंतर्ज्ञान भ्रम हैं, न तो वास्तविकता और न ही पहचान के बावजूद वास्तविक और समान प्रतीत होते हैं।

मन का विज्ञान सभी बुराई का निपटारा करता है। सत्य, ईश्वर, त्रुटि का जनक नहीं है। पाप, बीमारी और मृत्यु को त्रुटि के प्रभावों के रूप में वर्गीकृत किया जाना है। मसीह पाप के विश्वास को नष्ट करने के लिए आया था। ईश्वर-तत्त्व सर्वव्यापी और सर्वशक्तिमान है। ईश्वर हर जगह है, और उसके बिना कुछ भी मौजूद नहीं है या उसकी कोई शक्ति नहीं है। मसीह एक आदर्श सत्य है, जो क्रायश्चियन साइंस के माध्यम से बीमारी और पाप को ठीक करने के लिए आता है, और ईश्वर को सभी शक्ति प्रदान करता है। यीशु उस व्यक्ति का नाम है जिसने बीमारों और पापों का उपचार करके और मृत्यु की शक्ति को नष्ट करके, मसीह को प्रस्तुत किया, जो कि अन्य सभी पुरुषों की तुलना में अधिक परमेश्वर का सच्चा विचार है।

6. 473: 18-31

कलीसियाई निरंकुशता के युग में, यीशु ने ईसाई धर्म की शिक्षा और अभ्यास की शुरुआत की, जो ईसाई धर्म की सच्चाई और प्रेम का प्रमाण प्रस्तुत करता है; लेकिन उसके उदाहरण तक पहुँचने के लिए और उसके नियम के अनुसार उसके अचूक विज्ञान का परीक्षण करने के लिए, बीमारी, पाप और मृत्यु को ठीक करने के लिए, ईश्वर को ईश्वरीय सिद्धांत के रूप में बेहतर समझने की आवश्यकता है, व्यक्तित्व या मनुष्य यीशु के बजाय प्रेम की आवश्यकता है।

यीशु ने जो कुछ कहा उसे प्रदर्शन के द्वारा स्थापित किया, इस प्रकार उसके कार्यों को उसके वचनों से अधिक महत्वपूर्ण बना दिया। उन्होंने जो सिखाया वह साबित किया। यह ईसाई धर्म का विज्ञान है। यीशु ने उस सिद्धांत को सिद्ध कर दिया, जो बीमारों को ठीक करता है और त्रुटि को दूर करता है, ईश्वरीय है।

7. 373: 14-15

रोग का भय और पाप का प्रेम मनुष्य की दासता के स्रोत हैं।

8. 403: 14-20

आप स्थिति को आज्ञा देते हैं यदि आप समझते हैं कि नश्वर अस्तित्व आत्म-धोखे की स्थिति है न कि सत्य होने की। नश्वर मन लगातार नश्वर शरीर पर गलत विचारों के परिणाम उत्पन्न कर रहा है; और यह तब तक करना जारी रखेगा, जब तक कि नश्वर त्रुटि सत्य द्वारा अपनी काल्पनिक शक्तियों से वंचित न हो, जो नश्वर भ्रम के गॉसमेर वेब को मिटा देता है।

9. 230: 1-10

यदि बीमारी वास्तविक है, तो यह अमरता से संबंधित है; अगर यह सच है, यह सत्य का एक हिस्सा है। क्या आप सत्य की गुणवत्ता या स्थिति को नष्ट करने के लिए दवाओं के साथ या बिना प्रयास करेंगे? लेकिन अगर बीमारी और पाप भ्रम हैं, तो इस नश्वर सपने से जागृति, या भ्रम, हमें स्वास्थ्य, पवित्रता और अमरता में लाएगा। यह जागृति हमेशा के लिए मसीह के आने की है, सत्य का उन्नत रूप है, जो त्रुटि को बाहर निकालता है और बीमारों को ठीक करता है। यह वह मोक्ष है जो ईश्वर, ईश्वरीय सिद्धांत और प्रेम के माध्यम से आता है, जैसा कि यीशु द्वारा प्रदर्शित किया गया है।

10. 412: 13-18, 23-27

क्राइस्टियन साइंस और दिव्य प्रेम की शक्ति सर्वशक्तिमान है। यह वास्तव में पकड़ को नष्ट करने और बीमारी, पाप और मृत्यु को नष्ट करने के लिए पर्याप्त है।

बीमारी को रोकने या उसका इलाज करने के लिए, सत्य की शक्ति, दिव्य आत्मा की शक्ति को भौतिक इंद्रियों के सपने को तोड़ना होगा।

मानसिक रूप से इस बात पर जोर दें कि सद्भाव ही सच्चाई है और बीमारी एक अस्थायी सपना है। स्वास्थ्य की उपस्थिति और सामंजस्यपूर्ण अस्तित्व के तथ्य को तब तक महसूस करें, जब तक कि शरीर स्वास्थ्य और सद्भाव की सामान्य स्थितियों के अनुरूप न हो जाए।

11. 428: 3 केवल, 6-14

जीवन वास्तविक है, और मृत्यु भ्रम है। ... इस सर्वोच्च क्षण में मनुष्य का विशेषाधिकार हमारे मास्टर के शब्दों को साबित करना है: "कि यदि कोई व्यक्ति मेरे वचन पर चलेगा, तो वह अनन्त काल तक मृत्यु को न देखेगा।" झूठे न्यासों और भौतिक साक्ष्यों के बारे में विचार करने के लिए ताकि आध्यात्मिक तथ्य सामने आ सकें — यह महान प्राप्ति है जिसके माध्यम से हम असत्य को मिटा देंगे और सत्य को स्थान देंगे। इस प्रकार हम मंदिर, या देह को सच में स्थापित कर सकते हैं, "जिसका निर्माता और निर्माता भगवान है।"

12. 495: 14-24

जब बीमारी या पाप का भ्रम आपको झकझोरता है, ईश्वर और उसके विचार के प्रति दृढ़ रहना अपने विचार में पालन करने के लिए उसकी समानता के अलावा कुछ भी अनुमति न दें। न तो डर और न ही संदेह को अपनी स्पष्ट भावना और शांत विश्वास का पालन करें, कि जीवन के सामंजस्यपूर्ण जीवन की मान्यता - जैसा कि जीवन है - किसी भी दर्दनाक भावना, या विश्वास को नष्ट कर सकता है, जो जीवन नहीं है। क्रिश्चियन साइंस, कॉरपोरल सेंस के बजाय अपनी होने की समझ का समर्थन करें, और यह समझ सच्चाई के साथ त्रुटि को दबा देगी, मृत्यु दर को अमरता से बदल देगी, और सद्भाव के साथ चुप्पी को दूर करेगी।

दैनिक कर्तव्यों

मैरी बेकर एड्डी द्वारा

दैनिक प्रार्थना

प्रत्येक दिन प्रार्थना करने के लिए इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का कर्तव्य होगा: "तुम्हारा राज्य आओ;" ईश्वरीय सत्य, जीवन और प्रेम के शासन को मुझमें स्थापित करो, और मुझ पर शासन करो; और तेरा वचन सभी मनुष्यों के स्नेह को समृद्ध कर सकता है, और उन पर शासन करो!

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 4

उद्देश्यों और कृत्यों के लिए एक नियम

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

न तो दुश्मनी और न ही व्यक्तिगत लगाव मदर चर्च के सदस्यों के उद्देश्यों या कृत्यों को लागू करना चाहिए। विज्ञान में, दिव्य प्रेम ही मनुष्य को नियंत्रित करता है; और एक क्रिश्चियन साइंटिस्ट प्यार की मीठी सुविधाओं को दर्शाता है, पाप में डांटने पर, सच्चा भाईचारा, परोपकार और क्षमा में। इस चर्च के सदस्यों को प्रतिदिन ध्यान रखना चाहिए और प्रार्थना को सभी बुराईयों से दूर करने, भविष्यद्वाणी, न्याय करने, निंदा करने, परामर्श देने, प्रभावित करने या गलत तरीके से प्रभावित होने से बचाने के लिए प्रार्थना करनी चाहिए।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 1

कर्तव्य के प्रति सतर्कता

इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का यह कर्तव्य होगा कि वह प्रतिदिन आक्रामक मानसिक सुझाव से बचाव करे, और भूलकर भी ईश्वर के प्रति अपने कर्तव्य की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए, अपने नेता और मानव जाति के लिए। उनके कामों से उन्हें आंका जाएगा, — और वह उचित या निंदनीय होगा।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 6